NHSRCL
National High Speed Rail Corporation Ltd.

DAINIK BHASKAR, Delhi, 29.4.2024
Page No. 6, Size:(17.13)cms X (8.35)cms.

बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट • डिपो की इमारतों व शेड पर लगेंगे सोलर पैनल, लगभग 14 मेगावाट सौर ऊर्जा पैदा होगी

सूरत के बाद बुलेट ट्रेन का सबसे बड़ा साबरमती रोलिंग स्टॉक डिपो भी लेने लगा आकार, 83 हेक्टेयर में तेजी से चल रहा काम

ट्रांसपोर्ट रिपोर्टर | सूरत

सूरत के नियोल में हाई स्पीड बुलेट ट्रेन के रोलिंग स्टॉक डिपो बनाने का काम चल रहा है। वहीं अब बुलेट ट्रेन का सबसे बड़ा रोलिंग स्टॉक डिपो भी साबरमती में आकार लेने लगा है। यह डिपो 508 किमी लंबे हाई स्पीड कॉरिडोर के कुल तीन डिपो में सबसे बड़ा है। 83 हेक्टेयर जमीन पर इस डिपो का निर्माण कार्य शुरू हो गया है। यह डिपो में निरीक्षण खंड, वॉशिंग प्लांट, वर्कशॉप, शेड एवं स्टेबलिंग लाइनों सहित अत्याधुनिक उपकरणों से लैस होगा।

साबरमती डिपो में होंगी ये सुविधाएं

- साबरमती डिपो में 4 निरीक्षण और 10 स्टेबलिंग लाइनें होंगी।
- आने वाले समय में निरीक्षण लाइनों की संख्या 8 और स्टेबलिंग लाइनों की संख्या 29 तक करने की योजना।
- डिपो में रखरखाव की व्यापक क्षमता के लिए बोगी एक्सचेंज लाइन एवं सामान्य निरीक्षण लाइन जैसी विशेष सुविधाएं भी होंगी।
- ट्रेन सेट की ओवरहालिंग के बाद के परीक्षण के लिए डेडिकेटेड परीक्षण ट्रैक, मेनलाइन पर तैनाती से पहले ऑप्टिमम परफॉरमेंस सुनिश्चित किया जाएगा।
- रखरखाव एवं ओवरहालिंग संबंधी कार्यों के लिए पर्याप्त जगह सुनिश्चित करने को विशिष्ट पैमाने के इंडस्ट्रियल शेड बनाए जाएंगे।
- कुशल ट्रेन शंटिंग संचालन और डिपो के प्रबंधन के लिए केंद्रीकृत नियंत्रण सुविधाएं होंगी।
- डिपो में भोजन कक्ष, कैंटीन, ऑडिटोरियम और प्रशिक्षण सुविधाएं भी होंगी।

प्रशासनिक भवन की नींव और आरसीसी का कार्य प्रगति पर

बुलेट ट्रेन के साबरमती डिपो में ट्रेनों और परिसर के भीतर उत्पन्न कचरे को अलग करने, संघनन करने तथा इसके उचित प्रबंधन के लिए सुविधा उपलब्ध की जाएगी। डिपो शेड एवं इमारतों को इस तरह से डिजाइन किया जा रहा है कि भविष्य में सोलर पैनल भी लगाए जा सकेंगे। अकेले साबरमती डिपो में लगभग 14 मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन की क्षमता होगी। प्रशासनिक भवन की नींव डालने और आरसीसी का कार्य प्रगति पर है।

DAINIK BHASKAR, Surat, 29.4.2024
Page No. 3, Size:(20.72)cms X (10.25)cms.

बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट • डिपो की इमारतों व शेड पर लगेंगे सोलर पैनल, लगभग 14 मेगावाट सौर ऊर्जा पैदा होगी

सूरत के बाद बुलेट ट्रेन का सबसे बड़ा साबरमती रोलिंग स्टॉक डिपो भी लेने लगा आकार, 83 हेक्टेयर में तेजी से चल रहा काम

ट्रांसपोर्ट रिपोर्टर | सूरत

सूरत के नियोल में हाई स्पीड बुलेट ट्रेन के रोलिंग स्टॉक डिपो बनाने का काम चल रहा है। वहीं अब बुलेट ट्रेन का सबसे बड़ा रोलिंग स्टॉक डिपो भी साबरमती में आकार लेने लगा है। यह डिपो 508 किमी लंबे हाई स्पीड कॉरिडोर के कुल तीन डिपो में सबसे बड़ा है। 83 हेक्टेयर जमीन पर इस डिपो का निर्माण कार्य शुरू हो गया है। यह डिपो में निरीक्षण खंड, वॉशिंग प्लांट, वर्कशॉप, शेड एवं स्टेबलिंग लाइनों सहित अत्याधुनिक उपकरणों से लैस होगा।

साबरमती डिपो में होंगी ये सुविधाएं

- साबरमती डिपो में 4 निरीक्षण और 10 स्टेबलिंग लाइनें होंगी।
- आने वाले समय में निरीक्षण लाइनों की संख्या 8 और स्टेबलिंग लाइनों की संख्या 29 तक करने की योजना।
- डिपो में रखरखाव की व्यापक क्षमता के लिए बोगी एक्सचेंज लाइन एवं सामान्य निरीक्षण लाइन जैसी विशेष सुविधाएं भी होंगी।
- ट्रेन सेट की ओवरहालिंग के बाद के परीक्षण के लिए डेडिकेटेड परीक्षण ट्रैक, मेनलाइन पर तैनाती से पहले ऑप्टिमम परफॉरमेंस सुनिश्चित किया जाएगा।
- रखरखाव एवं ओवरहालिंग संबंधी कार्यों के लिए पर्याप्त जगह सुनिश्चित करने को विशिष्ट पैमाने के इंडस्ट्रियल शेड बनाए जाएंगे।
- कुशल ट्रेन शंटिंग संचालन और डिपो के प्रबंधन के लिए केंद्रीकृत नियंत्रण सुविधाएं होंगी।
- डिपो में भोजन कक्ष, कैंटीन, ऑडिटोरियम और प्रशिक्षण सुविधाएं भी होंगी।

प्रशासनिक भवन की नींव और आरसीसी का कार्य प्रगति पर

बुलेट ट्रेन के साबरमती डिपो में ट्रेनों और परिसर के भीतर उत्पन्न कचरे को अलग करने, संघनन करने तथा इसके उचित प्रबंधन के लिए सुविधा उपलब्ध की जाएगी। डिपो शेड एवं इमारतों को इस तरह से डिजाइन किया जा रहा है कि भविष्य में सोलर पैनल भी लगाए जा सकेंगे। अकेले साबरमती डिपो में लगभग 14 मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन की क्षमता होगी। प्रशासनिक भवन की नींव डालने और आरसीसी का कार्य प्रगति पर है।